अध्याय -1

'लाख की चूड़ियाँ'

अभ्यास-कार्य

1 गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पैशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुन्दर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी। उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थी। आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसकी अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर वह अवश्य जिद पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था।

1) बदलू क्या था ?

उत्तर .....

.....

.....

2) बदलू का पैतृक पेशा क्या था ?

उत्तर .....

.....

.....

3) उसकी बनाई हुई चूड़ियों को कौन लोग खरीदते थे ?

उत्तर .....

.....

.....

4) बदलू का स्वभाव कैसा था ?

उत्तर .....

.....

.....

5) बदलू जिद कब पकड़ लेता था ?

उत्तर .....

.....

.....

egyanarchive

2. किसी भी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं।
नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों को उनके भेद के आधार पर छाँटकर अलग-अलग लिखिए -

★ आदमी, नीम, बदलू, लाख, मुलायम, चूड़ी, अनाज, गाँव, संसार, पढ़ाई, आम, चारपाई, अवस्था, व्यथा, नाजुक ।

क) व्यक्तिवाचक संज्ञा .....
.....

ख) जाति वाचक संज्ञा .....
.....

ग) भाव वाचक संज्ञा .....
.....

3. नीचे शब्दों के आगे दिए गए अर्थ का क्रम सही नहीं है। आप शब्द के आगे उसका सही अर्थ लिखिएः-

शब्द	अर्थ	सही अर्थ
पैतृक	पुराना समय	.....
विनिमय	पिता से प्राप्त	.....
अतीत	अदल-बदल	.....
फबना	चाह	.....
चाव	शोभा देना	.....

egyanarchive